

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྟེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3MS875	ImageGroup:	I3MS877
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	སུམ་ཅུ་བ་དང་རྟགས་འཇུག་གི་དོན་གོ་སླ་བར་བསྟུས་པའི་བཤད་པ་སྐལ་ལྷན་ཡིད་ཀྱི་སྟན་པ་རྩ་འབྲེད་པའི་སྒྲུང་བའི་མཛོད། sum cu ba dang rtags 'jug gi don go sla bar bsdus pa'i bshad pa skal ldan yid kyi mun pad+ma 'byed pa'i snang ba'i mdzod/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Scanned in partnership with Tibetan Buddhist Resource Center, Cambridge, MA, USA. Comments: DPL480 RFP 121



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

म. १०५ - १०६ - १०७

[illegible]

म. १७५५

[illegible]

[The following text is extremely faint and mostly illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

馬公

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
कृपां प्रप्त्यश्नतः पश्यन्ति महाबलाहकं तस्यैव शरणागतम् ।
पश्यन्ति धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
कृपां प्रप्त्यश्नतः पश्यन्ति महाबलाहकं तस्यैव शरणागतम् ।
पश्यन्ति धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
कृपां प्रप्त्यश्नतः पश्यन्ति महाबलाहकं तस्यैव शरणागतम् ।
पश्यन्ति धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
कृपां प्रप्त्यश्नतः पश्यन्ति महाबलाहकं तस्यैव शरणागतम् ।
पश्यन्ति धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
कृपां प्रप्त्यश्नतः पश्यन्ति महाबलाहकं तस्यैव शरणागतम् ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥

223

ब्रह्मसूत्रसंज्ञा

॥ सुखं न भवति ॥

1. ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

194

(10) 1953-54 24,45,000 24,45,000

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四
 四

ਸੰਦੀਪਤੁਰਧੇਸ਼ਵਰਮਦਾਦੇਸ਼

३३३

१५२७४८३९६

[illegible][illegible]

ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ

9

ཀྱན་པ་ལྟར་བདེ་མིང་ཕ་རྒྱུ་ཆོས་རྒྱུ་མཁྱེད་ཅེས།

॥ अथ श्रुत्वा मुनिर्दत्तं वाचं ब्रुवाणः ॥

[illegible]